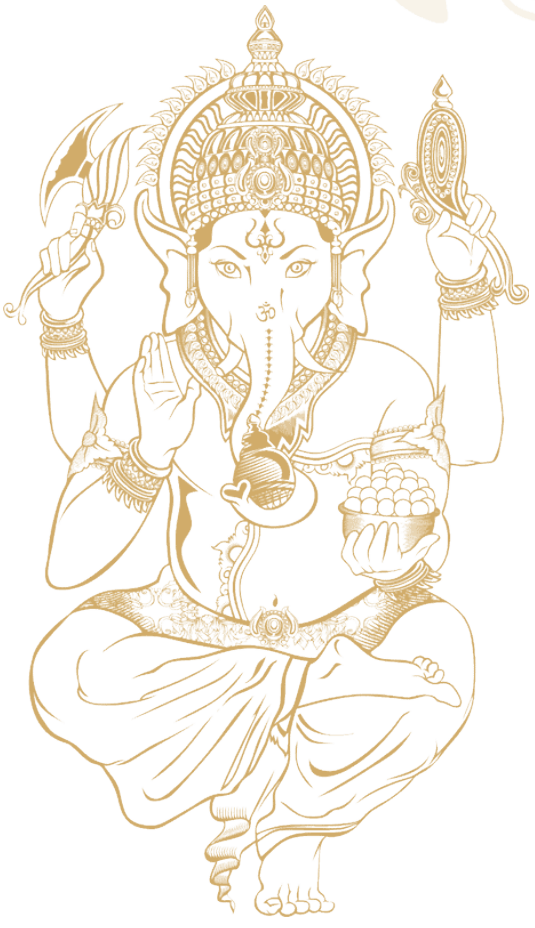

Animesh

Priyanka Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120376306

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/12/1993	जन्म तिथि	25/08/1996
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 17:25:00	जन्म समय	11:15:00 घंटे
घटी 27:31:01	जन्म समय(घटी)	14:23:36 घटी
India	देश	India
Siwan	स्थान	Siwan
26:14:00 उत्तर	अक्षांश	26:14:00 उत्तर
84:21:00 पूर्व	रेखांश	84:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:07:24	स्थानिक संस्कार	00:07:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:35	सूर्योदय	05:29:33
17:00:12	सूर्यास्त	18:19:13
23:46:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 13वर्ष 0मा 3दि	24:41:26	वृष	लग्न	तुला	24:14:37	शुक्र 11वर्ष 2मा 26दि
केतु	17:33:36	वृश्चि	सूर्य	सिंह	08:29:35	मंगल
07/12/2023	07:32:16	कर्क	चंद्र	धनु	19:10:24	21/11/2023
07/12/2030	23:53:30	वृश्चि	मंगल	मिथु	26:16:31	21/11/2030
केतु 04/05/2024	00:58:49	वृश्चि	बुध	कन्या	05:27:43	मंगल 18/04/2024
शुक्र 04/07/2025	10:57:42	तुला	गुरु व	धनु	14:08:50	राहु 07/05/2025
सूर्य 09/11/2025	06:51:13	वृश्चि	शुक्र	मिथु	22:48:49	गुरु 13/04/2026
चन्द्र 10/06/2026	00:58:29	कुंभ	शनि व	मीन	12:27:46	शनि 23/05/2027
मंगल 06/11/2026	09:13:44	वृश्चि व	राहु व	कन्या	14:44:10	बुध 19/05/2028
राहु 25/11/2027	09:13:44	वृष व	केतु व	मीन	14:44:10	केतु 15/10/2028
गुरु 31/10/2028	26:14:39	धनु	हर्ष व	मक	07:38:09	शुक्र 15/12/2029
शनि 10/12/2029	25:41:14	धनु	नेप व	मक	01:37:30	सूर्य 22/04/2030
बुध 07/12/2030	02:16:36	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:34:59	चन्द्र 21/11/2030

लग्न-चलित

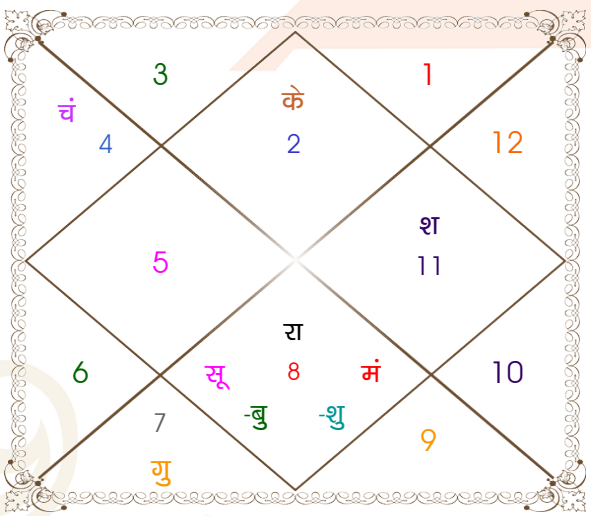

लग्न-चलित

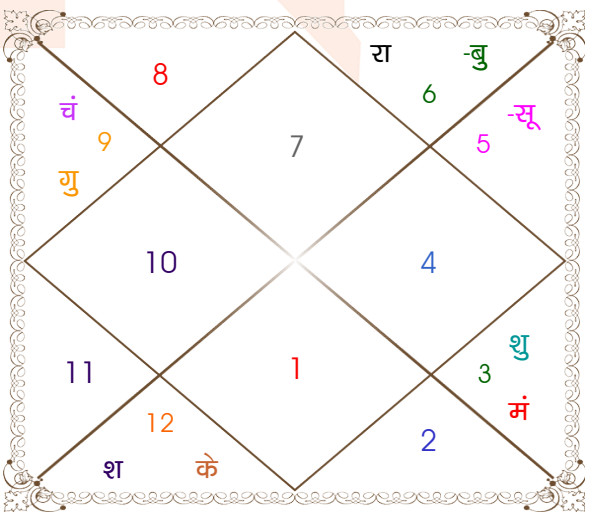

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	वानर	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ।दपउमेी का नक्षत्र पुष्य है।

।दपउमेी का वर्ग मेष है तथा च्तपलंदां डपेीतं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दपउमेी और च्तपलंदां डपेीतं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

।दपउमेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दपउमेी कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।दपउमेी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

च्तपलंदां डपीतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि च्तपलंदां डपीतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दपउमी तथा च्तपलंदां डपीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।